प्रदेश बना सीमेंट उद्योग का गढ़, लग रहे 12 नए संयंत्र

आवास, औद्योगिक परियोजनाओं और बुनियादी ढांचे में निवेश से सीमेंट की मांग में हो रही बढ़ोतरी

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। 24 करोड़ से अधिक की आबादी और लगातार बढ़ते शहरीकरण ने यूपी को देश का सबसे बड़ा सीमेंट उपभोक्ता और उत्पादन केंद्र बना दिया है। राज्य में 40 से अधिक सीमेंट संयंत्र संचालित हैं, जबकि 12 से ज्यादा नए संयंत्र स्थापित होने की प्रक्रिया में हैं। बेहतर सड़क नेटवर्क यूपी की सबसे बड़ी ताकत हैं। देश के एक्सप्रेसवे नेटवर्क का 55 फीसदी हिस्सा यहीं स्थित है।

राज्य में सात एक्सप्रेसवे चालू हैं व 6 निर्माणाधीन, जबकि डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, 16 घरेलू और पांच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (जिसमें नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी शामिल है) सीमेंट उद्योग को नई ऊंचाई दे रहे हैं।

बड़ी कंपनियों की नजर यूपी पर : राज्य की औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति के तहत सीमेंट कंपनियों को 42 फीसदी तक पूंजीगत सब्सिडी और 300 फीसदी तक नेट एसजीएसटी प्रतिपूर्ति जैसी रियायतें मिल रही हैं। 2023 से अब तक 3228 करोड़ के निवेश के लिए सात प्रमुख सीमेंट कंपनियों को लेटर ऑफ कंफर्ट जारी किए जा चुके हैं।

भविष्य की राह विकास की ओर : जेके सीमेंट के सीईओ माधव कृष्ण सिंघानिया ने कहा कि सीमेंट कंपनियां अब ग्रीन टेक्नोलॉजी और कम कार्बन उत्पादन की दिशा में निवेश कर रही हैं। जैसे-जैसे शहरी और ग्रामीण दोनों बाजारों का विस्तार होगा, सीमेंट की मांग और तेजी से बढ़ेगी।

प्रमुख निवेश और विस्तार परियोजनाएं

कंपनी	निवेश राशि	परियोजना विवरण
अल्ट्राटेक सीमेंट	500+ करोड़	लखनऊ में बल्क टर्मिनल, शाहजहांपुर में नई इकाई
श्री सीमेंट	1000 करोड़	एटा में ग्राइंडिंग यूनिट और 40 मेगावाट सौर संयंत्र
जेके सीमेंट	800 करोड़	प्रयागराज में 2 मीट्रिक टन सालाना ग्राइंडिंग यूनिट
एसीसी व अंबुजा सीमेंट	900 करोड़	उत्पादन क्षमता में निरंतर विस्तार एसीसी ने 100 मीट्रिक टन क्षमता पार की
कनोडिया सीमेंट	400 करोड़	बुंदेलखंड क्षेत्र में विस्तार
अदाणी समूह	600 करोड़	गोरखपुर में नया संयंत्र, 65 एकड़ भूमि प्रक्रिया में

मांग को बढ़ावा देतीं विकास परियोजनाएं

- यूपी सरकार की सबके लिए आवास पहल, औद्योगिक गलियारे, मेट्रो नेटवर्क, स्मार्ट सिटी मिशन और एक्सप्रेसवे परियोजनाएं सीमेंट की खपत को लगातार बढ़ा रही हैं।
- पूर्वांचल, बुंदेलखंड और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे, लखनऊ-कानपुर मेट्रो और मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क जैसे प्रोजेक्ट्स भी इंडस्ट्री को तेज रफ्तार से रहे हैं।
- औद्योगिक सुधारों ने निवेश माहौल को बदल दिया है। वैश्विक निवेशक सम्मेलन में 33.50 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव ने बड़ी भूमिका निभाई है।

सीमेंट उद्योग में भारत की छलांग

भारत का सीमेंट उद्योग इस समय तेजी से विस्तार के दौर में है। देश का कुल सीमेंट उत्पादन 2025 में 453 मिलियन टन (एमटीपीए) तक पहुँच गया है, जो 9 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्शाता है। चीन के बाद भारत अब दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सीमेंट उत्पादक देश बन गया है।